भारत में कमजोर वर्ग का समाजशास्त्रीय विश्लेषण

प्रकाश सिंह

सामान्यतः अनुसूचित जातियों को अस्पृश्य जातियाँ भी कहा जाता है, अतः इनकी परिभाषा अस्पृश्यता के आधार पर भी की गई है। के.एन.शर्मा के अनुसार, 'अस्पृश्य जातियाँ वे हैं, जिनके स्पर्श से एक व्यक्ति अपवित्र हो जाय और उसे पवित्र होने के लिये कुछ कृत्य करने पड़ें।' डी.एन. मजूमदार के अनुसार, 'अस्पृश्य जातियाँ वे हैं, जो विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक निर्योग्यताओं से पीड़ित हैं, जिनमें से बहुत–सी निर्योग्यताएँ उच्च जातियों द्वारा परम्परागत रूप से निर्धारित और सामाजिक रूप से लागू की गई हैं।'